[Mr. Speaker]

committee, and not on one occasion did he say 'suggestion', but he had always been mentioning the word 'recommendation'.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: You are catching the wrong end of the stick.

SHRI K. R. GANESH: May I make one submission? I am quite clear about the inappropriateness, for which I have expressed regret. But I would submit to you and to the House that confusion still persists, because in the recent questionnaire which has been sent to the Central Board of Direct Taxes....

SHRI JYOTIRMOY BOSU: On a point of order....

MR. SPEAKER: Why is he creating difficulties?

SHRI K. R. GANESH: He is shutting me out.

MR. SPEAKER: It is for me. I am going to send my observations to the committee. If there is any difficulty about this, in future, the hon. Minister may write to the Speaker, and I shall forward it to him.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: We do not want to shut him out.

MR. SPEAKER: I went through the file word by word. It seems that nobody seems to have applied his mind to this question. That was a suggestion and that suggestion was sent. In the Action-taken Report it is mentioned as 'recommendation'. I fail to understand why. What could the Ministry or the Government do if in the Action-taken report it is mentioned as 'recommendation'? I am going to send it to the committee.

SHRI K. R. GANESH: I shall write to you on this.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: He is referring to the questionnaire sent by the PAC. Let him say hare what he wants to say.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: It is clear from what he says that they have not yet decided about it.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: If he wants to explain, I do not mind.

Mr. SPEAKER: But I must say that there are very good watchdogs sitting here.

12.45 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) LATE RUNNING AND SUSPENSION OF A NUMBER OF TRAINS

श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा): मान्यवर, नियम 377 के अन्तर्गत मैं इस सदन तथा सरकार का ध्यान देश में 200 से अधिक रेलगाड़ियां रद्द हो गई हैं और करीब करीब 99 प्रतिशत गाड़ियां लेट चल रही हैं, इन की ओर दिलाना चाहता हूं। (व्यवधान) . .

मान्यवर, दिल्ली भारत की राजधानी है, पिछले 3–4 महीनों में गाड़ियां दिल्ली पहुंची हैं, मैं उन का विवरण आप के सामने रखना चाहता हूं:—

नई दिल्ली स्टेशन

महीना	गाड़ियां समय पर पहुंचीं	गाड़ियां लेट पहुंचीं
अगस्त, 1973	579	827
सितम्बर, 1973	990	684
अक्तूबर, 1973	1091	668

पुरानी दिल्ली स्टेशन

अगस्त, 1973	668	1115
सितम्बर, 1973	1059	1297
अक्तूबर, 1973	1127	1255

मान्यवर, मैं आप से निवेदन करना चाहता हूं आज कोई ऐसा स्टेशन नहीं है जहां सैकड़ों यात्री आठ-आठ दस दस घन्टे तक गाड़ियों की इन्तजार में पड़ रहते हैं या गाड़ियां केन्सिल हो जाती हैं। पूर्वोत्तर रेलवे में पिछले 2 दिसम्बर से 22 महत्वपूर्ण गाड़ियां रद्द कर दी गई हैं, जिन में बम्बई-हावड़ा मेल, सियाल्दा एक्सप्रेस तथा अन्य महत्वपूर्ण गाड़ियां भी हैं। पटना की हालत यह है कि पाटलीपुत्र एक्सप्रेस, रांची एक्सप्रेस रद्द हैं। यात्री न हवाई जहाज से जा सकते हैं और न रेल से जा सकते हैं।

मैं आप के माध्यम से रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करते हुए जानना चाहता हूं —रेलवे की एफिशियेन्सी के लिए, ठीक समय पर गाड़ियों को चलाने के लिए क्या वह एक कमेटी नियुक्त करने के लिए तैयार हैं? उस कमेटी में रेलवे के वे अधिकारी न रखे जायें जिन के कारण गाड़ियां लेट चल रही हैं।

2. मंत्री महोदय इस बात का स्पष्टीकरण करें कि कब तक रेलवे की यह हालत रहेगी? ... (**व्यवधान**) ....

3. रेलवे में इस तरह की अनुशासन-भ्रष्टाचार और एडमिनिस्ट्रेशन में इस तरह की, जो गैरजवाबदेही चल रही है, इस पर सरकार ध्यान दे। मैं चाहता हूं कि रेल मंत्री इन सब बातों के बारे में एक वक्तव्य दें।

श्री जगन्नाथ राव जोशी (शाजापुर) मैं बम्बई 6 घण्टे लेट पहुंचा।

श्री विक्रम महाजन (कांगड़ा) : उस कमेटी का चेयरमैन श्री शंकरदयाल सिंह को बनाया जाये।

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): The country is in a state of nearparalysis in regard to the transport system.

श्री बूटा सिंह (रोपड़) : 70 लाख लोग रोज रेलगाड़ी से चलते हैं। गाड़ियां 5—7 घण्टे लेट चलती हैं। शंकर दयाल जी ने ठीक कहा है इस पर कुछ न कुछ होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : इस में एक गल्ती हो रही है। जब आप उन का नाम लें तो "सिंह" जरूर लगा दिया करें, क्योंकि गल्ती से डा० शंकर दयाल न समझे जायें।

SHRI P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): What has happened to the Railway Minister?

MR. SPEAKER: The Railway Minister is not here. I will ask him to make a statement on it.

(ii) REPORTED AUCTION OF PROPERTIES OF THE ALCOCK ASHDOWN COMPANY LTD.

श्री मधु लिमये (बांका) : अध्यक्ष महोदय, अभी अभी महा-सचिव ने एल्काक एशडाउन के बारे में संदेश की चर्चा की थी। कल ट्रंक काल से मुझे खबर मिली कि जो हमने एल्काक एशडाउन का विधेयक पास किया था वह कानून बनने के पहले ही उस पर पानी फेर दिया गया है, उसको नलीफाई कर दिया गया है। एल्काक एशडाउन की जायदाद बम्बई के कोर्ट रिसीवर ने नीलाम में बेच डाली है। सरकारी प्रतिनिधि जज के पास गये, डिवीजन बैन्च के सामने भी मामला रखा गया लेकिन कोर्ट ने कहा कोई कानून नहीं है आपको अधिकार देने वाला, आप बीच में कैसे आते हैं, आपकी क्या लोकस-स्टैंडाई है? यहां पर हमने इसीलिए कहा है कि यह राष्ट्रीयकरण संसद् सत्र के पहले अध्यादेश द्वारा करके उस जायदाद को कब्जे में लेना चाहिए था लेकिन इन्होंने अध्यादेश जारी किया है एक्सप्साइज ड्यूटी पर।

अब मेरा सरकार से अनुरोध है कि आज ही सरकार नया बिल लेकर आये और ज सम्पत्ति आक्शन में गई है उसको कब्जे में लेने के लिए